प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 16 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

नैतिक शिक्षा के दो पहलू हैं– सकारात्मक एवं नकारात्मक। पहले पक्ष के अन्तर्गत आते हैं– सत्य, अहिंसा, परोपकार और करूणा। ये ही गुण परहित के कारण हैं और परहित को गोस्वामी तुलसीदास ने परम धर्म कहा है। इसके विपरीत नकारात्मक पहलू के अन्तर्गत आते हैं– काम, क्रोध, मोह, लोभ, दुर्वचन आदि। इन्हीं अवगुणों से दूसरों को पीड़ा पहुँचती है और पीड़ा को तुलसीदास ने अधर्म या पाप कहा है। यदि छात्रों को नैतिक शिक्षा दी जायेगी तो वे सन्मार्ग पर चलेंगे, अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर अपना और देश दोनों का हित करेंगे। इसके विपरीत आचरण करने पर छल–कपट कर, अनुशासन भंग कर स्वयं अपना जीवन भी नष्ट करेंगे और समाज में अराजकता फैलाकर देश को दुर्बल बनायेंगे। यदि विद्यार्थी जीवन से ही छात्रों को सही मार्गदर्शन मिले तो निश्चित रूप से सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण हो जाता है। यह वही अवस्था है जिसमें अच्छे नागरिकों का निर्माण होता है। इसलिए नैतिकता की शिक्षा हम शिक्षण संस्थाओं में पाठ्यक्रम का अंग बनाकर दे सकते हैं।

1. सकारात्मकता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए। 2

उत्तर : सत्य, अहिंसा, परोपकार और करूणा सकारात्मकता के विभिन्न पहलू हैं। इन्हीं गुणों के कारण परहित सम्भव होता है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने परहित यानि दूसरों का हित करने को ही सबसे बड़ा धर्म माना है।

2. तुलसीदास जी ने 'अधर्म' किसे माना है? 2

उत्तर : सकारात्मकता के विपरीत नकारात्मकता के अन्तर्गत काम, क्रोध, मोह, लोभ, दुर्वचन आदि अवगुण आते हैं। यही अवगुण परपीड़ा के लिए जिम्मेदार होते हैं और दूसरों को कष्ट देने, पीड़ा पहुँचाने को ही तुलसीदास जी ने अधर्म या पाप कहा है।

3. छात्रों को कैसी शिक्षा दी जानी चाहिए और क्यों? 2

उत्तर : हमारे आचरण का निर्माण छात्र जीवन में ही हो जाता है। अतः छात्रों को नैतिक शिक्षा दी जानी चाहिए, अच्छे–बुरे की पहचान व उसका प्रभाव बताना चाहिए ताकि वे सन्मार्ग पर चल सकें। अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर अपना व अपने देश का हित कर सकें।

4. देश की दुर्बलता के क्या कारण होते हैं? 2

उत्तर : यदि देश के नागरिकों का आचरण अच्छा न हो तो देश कमजोर हो जाता है। यदि देशवासी छल–कपट करके, अनुशासन भंग करके अपना जीवन नष्ट करें, समाज व देश में अराजकता फैलायें, तो देश दुर्बल बन जाता है।

5. गद्यांश में से दो प्रत्यय निर्मित शब्द छाँटिए व मूल शब्द अलग करके लिखिए। 1

उत्तर :

	मूल शब्द	**प्रत्यय**
नैतिकता	नैतिक	ता
निश्चित	निश्चय	इत

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : नैतिक शिक्षा।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द व पद में उदाहरण सहित अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर : वर्णों का सार्थक मेल शब्द कहलाता है, जब तक वह स्वतंत्र हो। जब वह व्याकरण के नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है, पद कहलाता है अर्थात् शब्द का व्यावहारिक रूप पद है।

उदाहरण– पुस्तक – शब्द

यह मेरी प्रिय पुस्तक है। – पद

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. सूर्य उदय हो गया है और पक्षी चहचहाने लगे हैं। (सरल वाक्य में)

उत्तर : सूर्य उदय होते ही पक्षी चहचहाने लगे हैं।

2. शाम होते ही पक्षी शांत हो गए। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जैसे ही शाम हुई वैसे ही पक्षी शांत हो गए।
3. जब हम शादी में गए तब हमने खूब मजे किए। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : हम शादी में गए और हमने बहुत मजे किए।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
चतुर्भुज, गली–गली
उत्तर : चतुर्भुज– चार हैं भुजाएँ जिसकी (बहुव्रीहि समास)
गली–गली– हर गली (अव्ययीभाव समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
आठ अध्यायों का समूह, नर और नारी
उत्तर : आठ अध्यायों का समूह– अष्टाध्यायी (द्विगु समास)
नर और नारी– नर–नारी (द्वन्द्व समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मेरे से झूठ नहीं बोला जाएगा।
उत्तर : मुझसे झूठ नहीं बोला जाएगा।
2. आज रंग–बिरंगा आकाश नजर आ रहा है।
उत्तर : आज आकाश रंग–बिरंगा नजर आ रहा है।
3. गुणवान नारी सदा सम्मान पाती है।
उत्तर : गुणवती नारी सदा सम्मान पाती है।
4. कमल और मोहन में घनिष्ठ शत्रुता है।
उत्तर : कमल और मोहन में घोर शत्रुता है।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. मेरे पिताजी ने ..... पिया हुआ है, उन्हें कोई मूर्ख नहीं बना सकता।
उत्तर : घाट–घाट का पानी (घाट–घाट का पानी पीना)
2. परीक्षाएँ क्या शुरू हुई, तुम तो ..... चाँद हो गए हो।
उत्तर : ईद का (ईद का चाँद होना)
3. किसान वर्षा की ..... ही रह गए।
उत्तर : बाट जोहते (बाट जोहना)
4. पुत्र की बीमारी की खबर सुनते ही माता–पिता के ..... गए।
उत्तर : होश उड़ (होश उड़ना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. अथक् परिश्रम के बाद ततांरा जिस स्थान पर गया, वहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
उत्तर : निकोबार द्वीप समूह के पासा गाँव का युवक ततांरा एक शाम अथक् परिश्रम करने के बाद समुद्र किनारे टहलने चला गया। वहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य बहुत आकर्षक था। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था, समुद्र से ठण्डी बयारें आ रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाटें क्षीण होने को थीं। विचारमग्न ततांरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अन्तिम रंग–बिरंगी किरणों को समुद्र पर निहार रहा था।
2. लेखक का स्वभाव बड़े भाई साहब से कैसे भिन्न था?
उत्तर : पाठ 'बड़े भाई साहब' में लेखक का स्वभाव अपने बड़े भाई से सर्वथा भिन्न दिखाया गया है। लेखक अपना अधिकांश समय खेलकूद में बिताते थे। पढ़ने में उनका बिल्कुल मन नहीं लगता था। मौका पाते ही मैदान में आकर कंकरियाँ उछालना, कागज की तितलियाँ उड़ाना, चारदीवारी पर चढ़कर कूदना घण्टों होता था, किन्तु एक घण्टे भी किताब खोलकर बैठना पहाड़ पर चढ़ने के समान कठिन लगता था। दूसरी ओर उनके बड़े भाई साहब बहुत अध्ययनशील (व्यंग्य) थे, सारा दिन किताबें खोलकर बैठे रहते थे। उनकी सहज बुद्धि बहुत तीव्र थी व उपदेश देने की कला में तो वे निपुण थे।
3. मुम्बई से ग्वालियर के बीच लेखक ने क्या परिवर्तन महसूस किया?
उत्तर : लेखक 'निदा फाजली' ने वक्त के साथ बदलती लोगों की मानसिकता, पर्यावरण के प्रति निष्ठुरता को तथा इसके दुष्प्रभावों को बखूबी दर्शाया है। मुम्बई से ग्वालियर के बीच पहले दूर तक जंगल हुआ करता था, वहाँ अब (लेखक ने बताया) बस्ती बन चुकी थी, जिसने पशु–पक्षियों को बेघर कर दिया था। इनमें से कुछ तो दूर चले गए हैं और कुछ ने आस–पास के घरों में ही डेरा डाल लिया है।
4. पुलिस झंडा गाढ़ने का विरोध क्यों कर रही थी? पाठ 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर उत्तर दीजिए।
उत्तर : पाठ 'डायरी का एक पन्ना' में गुलाम भारत में मनाई जा रही स्वतंत्रता दिवस की पुनरावृत्ति के दौरान कोलकाता के प्रयासों का वर्णन है। जहाँ एक ओर कोलकातावासी एकजुट होकर इस आयोजन को सफल बनाने की कोशिश में लगे थे, वहीं ब्रिटिश सरकार इसे रोकने का भरपूर प्रयास कर रही थी। पुलिस झंडा गाढ़ने का विरोध कर रही थी ताकि स्वतंत्रता के आयोजन को विफल किया जा सके।

8. 'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के आधार पर इस शीर्षक की सार्थकता 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए। 5

उत्तर : लेखक 'निदा फाजली' का मानना है कि इस सम्पूर्ण धरती पर, प्रकृति पर सभी जीवधारियों का समान अधिकार है, किन्तु मनुष्य ने अपने बुद्धि–बल से प्रकृति पर अपना हक जमा लिया है, वह अपनी असीम इच्छाएँ व आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए प्रकृति के साथ छेड़छाड़ ही नहीं, उसे नष्ट करता रहता है। इच्छाएँ व जरूरतें बढ़ती ही जा रही हैं, मनुष्य दिन–

पर–दिन स्वार्थी होता जा रहा है। किसी समय में सुलेमान जैसे लोग थे जो चींटी जैसे छोटे जीव का दर्द भी समझते थे, शेख अयाज के पिता जैसे लोग थे जो अनजाने में भी किसी को तकलीफ नहीं देना चाहते थे, नूह नामक पैगम्बर थे जो किसी पशु के दिल दुखने की आवाज भी सुन सकते थे। किसी समय में लेखक की माँ जैसे प्रकृति व अन्य जीव–जन्तुओं के प्रति प्रेम व सहानुभूति रखने वाले लोग थे, किन्तु आज हमें ऐसे लोग देखने को नहीं मिलते। लेखक की पत्नी की तरह हम केवल अपने आराम व सुख की परवाह करते हैं। अपने स्वार्थ के लिए किसी दूसरे को तकलीफ पहुँचाने में भी संकोच नहीं करते। अतः पाठ का शीर्षक 'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पूरी तरह सार्थक है।

अथवा

'कारतूस' एकांकी के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वजीर अली को 'जांबाज सिपाही' कहना सर्वथा उचित है। 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : आज जिस आजाद हवा में हम साँस ले रहे हैं, उसके पीछे अनगिनत वीर सिपाहियों, देशभक्तों का हाथ है। कितने ही देशप्रेमियों ने अपनी जान पर खेलकर भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराया था, उन्हीं में से एक नाम है 'वजीर अली', जिसकी बहादुरी व जांबाजी का वर्णन 'कारतूस' एकांकी में किया गया है। वजीर अली के दिल में अंग्रेजों के लिए नफरत कूट–कूटकर भरी थी, वह किसी भी कीमत पर भारत को स्वतंत्र कराना चाहता था। जब उसे अवध के तख्त से हटाकर बनारस भेज दिया गया और उसके साथ बदसलूकी हुई, तब उसने गुस्से में अंग्रेजी वकील का कत्ल कर दिया और अंग्रेजी सेना की आँखों में धूल झौंकते हुए, अपनी ताकत बढ़ाता रहा। यह जानते हुए कि कर्नल उसकी गिरफ्तारी के लिए जंगल में खेमा लगाए बैठा है, वह अकेला उसके पास गया व उसी के हाथों से चन्द कारतूस भी ले आया और आ–ते–आते अपना असली परिचय देते हुए चेतावनी दे दी कि उसे पकड़ना असम्भव है। अतः कोई सन्देह नहीं कि वजीर अली एक जांबाज सिपाही था।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. 'तोप' कविता के अन्तर्गत वर्णित तोप के इतिहास का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : सन् 1857 में, स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान जिस ब्रिटिश तोप ने भारतीय सैनिकों को मौत के घाट उतारा था, आज वह कानपुर के कम्पनी बाग के मुख्य द्वार पर सजावट की वस्तु की भाँति रखी है। रोज हजारों पर्यटक वहाँ आते हैं, उन्हें तोप अपना इतिहास बताती प्रतीत होती है कि वह बड़ी शक्तिशाली थी, अच्छे–अच्छे सूरमां भी उससे डरते थे, उसने अनेक वीर जवानों को धूल चटा दी थी। उसके कारनामें ही उसकी अपार शक्ति का परिचय देते थे।

2. मीरा ने कृष्ण को उनके कर्त्तव्य किस प्रकार याद दिलाए हैं?

उत्तर : मीरा कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम से अभिभूत थीं। उनकी सांसारिक इच्छाएँ समाप्त हो चुकी थीं, केवल यही कामना थी कि कृष्ण उन्हें अपनी दासी के रूप में स्वीकार कर लें अर्थात् उन्हें अपना लें। कृष्ण को उनके कर्त्तव्य याद दिलाते हुए वे कहती हैं कि जिस प्रकार कृष्ण ने द्रौपदी के वस्त्र बढ़ाकर उसकी लाज रखी थी, भक्त प्रहलाद की सच्ची भक्ति को प्रमाणित किया था व डूबते हुए हाथी को बचाया था, उसी प्रकार वे मीरा की भक्ति, प्रेम को स्वीकार करके अपने लोकरक्षक रूप को, अपनी भक्त वत्सलता को सिद्ध करें।

3. कविता 'कर चले हम फिदा' में 'साथियों' किसे कहा गया है?

उत्तर : कविता 'कर चले हम फिदा' में भारतीय सैनिकों की ओर से हमें यानि सभी देशवासियों को 'साथी' कहा गया है ताकि हमारे भीतर भी देश की रक्षा करने की भावना जाग्रत हो। कवि कैफी आजमी ने उन सैनिकों की भावनाओं को शब्द दिए हैं जो देश की सुरक्षा में कुर्बान होने जा रहे हैं। उन्हें अपनी जान की परवाह नहीं है बल्कि चिंता इस बात की है कि उनके बाद देश की रक्षा कौन करेगा।

4. 'आत्मत्राण' कविता में कवि सुख के दिनों में क्या कामना कर रहा है?

उत्तर : कविता 'आत्मत्राण' एक प्रार्थना गीत है जिसमें कवि ने भौतिक सुख–सुविधाओं की माँग न करके उन मानवीय गुणों की कामना की है जो उन्हें हर विषम परिस्थिति का सामना करने में सक्षम बनाएँगे। दुख व कष्ट के समय ईश्वर से साहस, धैर्य, आत्मविश्वास चाहते हैं और सुख के दिनों में ईश्वर के सम्मुख सिर झुकाकर रखना चाहते हैं तथा अहंकार से बचना चाहते हैं।

10. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर निरन्तर परिवर्तनशील प्राकृतिक दृश्यों का वर्णन 80–100 शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : कवि 'सुमित्रानन्दन पंत' प्रकृति–प्रेमी कवि माने जाते हैं। कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' भी इस बात का प्रमाण दे रही है। कवि ने पर्वतीय क्षेत्र में, वर्षा ऋतु के दौरान निरन्तर परिवर्तित हो रहे प्राकृतिक दृश्यों का अद्भुत वर्णन किया है। पर्वतीय क्षेत्र में चारों ओर, दूर–दूर तक गोलाकार रूप में पर्वत नजर आते हैं, नीचे विशाल तालाब में उनकी परछाई पड़ रही है, मानो पर्वत तालाब रूपी दर्पण में अपनी छवि निहार रहे हों। बहते हुए झरने मोती की लड़ियाँ प्रतीत हो रहे हैं और पर्वतों पर स्थित ऊँचे–ऊँचे वृक्ष उनके हृदय से निकलती ऊँची आकांक्षाएँ। सम्पूर्ण दृश्य मन को मोह रहा है, किन्तु अचानक घने बादलों व मूसलाधार वर्षा से सब कुछ अदृश्य हो जाता है और केवल झरनों का गीत सुनाई दे रहा है। कवि ने इस परिवर्तनशील सौन्दर्य को इन्द्रजाल कहकर और भी आकर्षक रूप दे दिया है।

अथवा

कवि 'मैथिलीशरण गुप्त' के अनुसार मनुष्य जीवन को कैसे सार्थक बनाया जा सकता है? 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : कवि 'मैथिलीशरण गुप्त' का मानना है कि अन्य प्राणियों की तुलना में मनुष्य अधिक चेतन शक्ति से युक्त, विवेकशील व बुद्धिमान होता है। अपने ही नहीं, औरों के भी हिताहित का ख्याल रखने में सक्षम होता है। फिर भी यदि वह पशुओं की तरह केवल अपने लिए ही सोचे, अपनी जरूरतों को पूरा करने में ही जीवन व्यतीत कर दे, तो वह मनुष्य कहलाने योग्य ही नहीं है। मनुष्य होने के नाते हमें सबके हित का ध्यान रखना चाहिए। दानवीर व उदार होकर सम्पूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में बाँधने का प्रयास करना चाहिए। धरती से सहानुभूति, बुद्ध से करूणा व दया की सीख लेकर, गर्वरहित जीवन जीते हुए सबके काम आना चाहिए। धरती पर सभी को जन्म देने वाला परमपिता एक ही है और हम सब उसकी सन्तानें होने के नाते भाई–बन्धु ही हैं। अतः आपसी शत्रुता, बैर–भाव भुलाकर एक होकर जीवन–पथ पर आगे बढ़ना चाहिए। जब हम एक–दूसरे का सहारा बनेंगे तो सारी दुर्बलताएँ दूर हो जायेंगी व ईश्वर की गोद में समाने के लिए स्वयं को योग्य बना सकेंगे, मनुष्य होने को सार्थक सिद्ध कर पायेंगे।

11.

1. हरिहर काका व लेखक के सम्बन्धों पर प्रकाश डालते हुए बताओ कि आप लेखक के स्थान पर होते तो हरिहर को क्या सलाह देते? (60–70 शब्दों में समझाइये)। 3

   उत्तर : हरिहर काका का लेखक के साथ कोई खून का रिश्ता नहीं था। वे लेखक के पड़ोस में रहते थे। लेखक को बचपन में हरिहर से पिता जैसा स्नेह मिला था। हरिहर भी अपने मन की सभी बातें लेखक को ही बताया करते थे। इस प्रकार दोनों के गहरे, आत्मीय सम्बन्ध के व्यावहारिक और वैचारिक कारण थे। इतना होते हुए भी हरिहर ने इस बार लेखक से कुछ नहीं कहा, केवल मौन रहे, मानो स्वीकार कर चुके हों कि उनकी परिस्थिति का सामना उन्हें खुद ही करना है, कोई चाहकर भी उनकी मदद नहीं कर सकता। लेखक को भी कुछ कहना या सलाह देना उचित नहीं लगा क्योंकि जिस तरह हरिहर गूँगेपन का शिकार हो गये थे, अब उन्हें कुछ समझाना व्यर्थ था। किन्तु मैं लेखक की जगह होती तो उन्हें उनकी जमीन के सम्बन्ध में विवेकपूर्वक निर्णय लेने को जरूर कहती ताकि वे इस बोझ से मुक्त होकर शान्त व सुकून भरा जीवन बिता पायें।

2. नई श्रेणी में जाने पर लेखक क्या महसूस करते हैं और क्यों? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

   उत्तर : सामान्यतः सभी बच्चों को अगली कक्षा में जाना अच्छा लगता है किन्तु लेखक को इसका कोई चाव नहीं होता था। बल्कि उनका मन पुरानी मिलने वाली किताबों और नई कॉपियों की गंध से घबराने लगता था। बड़ी कक्षा में जाने पर अध्यापकों की अपेक्षाएँ भी बढ़ जाती थीं और नए अध्यापकों का स्वभाव कैसा हो, यह बात भी भयभीत कर देती थी। इस प्रकार सफल होकर अगली कक्षा में जाने की खुशी कम और इस बात का डर अधिक होता था कि आगे न जाने किन चुनौतियों को झेलना पड़ेगा।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **मित्रता**
   * मित्रता का महत्व * अच्छे मित्र बुरे मित्र की पहचान * मित्रता सौभाग्य से।
2. **नारी और नौकरी**
   * दोगुना कार्य * घर और बाहर में संतुलन * व्यक्तित्व निर्माण में सहायक कार्य।
3. **आतंकवाद– एक समस्या**
   * आतंकवाद शब्द, उद्देश्य * विश्वव्यापी समस्या और कारण * आतंकवाद के दुष्परिणाम और सुरक्षा।

उत्तर :

1. मित्रता

मित्रता बड़ा अनमोल रत्न है। हम सभी मनुष्य को अपना सुख–दुख बाँटने और मन की बात करने के लिए मित्र की आवश्यकता होती है। यह एक औषधि के समान हमारे समस्त कष्टों को दूर करने का प्रयत्न करता है। सच्चा मित्र भी वही है जो सभी मुसीबतों में हमारा साथ दें। पंचतंत्र में कहा भी गया है– जो व्यक्ति न्यायालय, श्मशान और विपत्ति के समय साथ देता है उसको सदा सच्चा मित्र समझना चाहिए। मित्रता समानता के आधार पर होनी चाहिए। दोनों के आर्थिक स्तर में ज्यादा परिवर्तन नहीं होना चाहिए। वह सच्चरित्र और विनम्र तो हो ही विश्वासपात्र भी होना आवश्यक है। सच्चे मित्र की पहचान यही है कि वो हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। निराशा में हिम्मत तथा अच्छे कार्यों में सहयोग दे, अपना स्वार्थ नहीं मित्र की भलाई पर ध्यान दे। ऐसा सच्चा मित्र जो हमारे सुख और सौभाग्य की चिंता करे सौभाग्य की बात है। सच्चा और अच्छा मित्र हमारे जीवन की सफलता की कुँजी है। कहा भी गया है कि 'सच्चा प्रेम दुर्लभ है, सच्ची मित्रता उससे भी दुर्लभ'।

2. नारी और नौकरी

आज के वैज्ञानिक युग में नारी पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। शिक्षा, पत्रकारिता, चिकित्सा, कानून, व्यापार, हस्तकला और यहाँ तक कि पुलिस और सेना में भी महिलाओं को अपना कार्य मुस्तैदी से करते हुए देखा जा सकता है। पुरूषों का वर्चस्व तोड़कर कामयाबी हासिल करने वाली महिलाओं को आज भी परिवार से वह सहयोग नहीं मिल रहा जो उसे मिलना चाहिए। अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों और घरेलू दायित्व के बीच तालमेल बिठाती हुई स्त्री हर जगह देखी जा सकती है। कार्यालय की जिम्मेदारियाँ निभाते हुए, अपने घर, परिवार और बच्चों की देखभाल करती हुई नारी दो पाटों में फंसे खूँटे के समान हो गई है। सबकी आवश्यकता पूरी करती हुई वह दोनों में संतुलन स्थापित करती रहती है।

थोड़ी–सी भी असफलता से उसे निंदा का सामना करना पड़ता है। कामकाजी नारी की बात होते ही किसी स्कूल कार्यालय में काम करने वाली औरतों की छवि आ जाती है। इनके कौशल, इनकी व्यक्तिगत पहचान को सम्मान नहीं दिया जाता किन्तु इनके कौशल का लोहा सभी मानते हैं। कामकाजी नारी पूर्ण सजगता से घर को चलाने के लिए कार्यालय को चलाने की ईमानदार कोशिश करती है। आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर होकर इनका व्यक्तित्व निखर जाता है।

3. आतंकवादः एक समस्या

आतंकवाद वह प्रवृत्ति है जिसमें कुछ लोग स्वार्थपूर्ण और अमानवीय आकांक्षा की पूर्ति के लिए घोर हिंसात्मक और अमानवीय साधनों का प्रयोग करते हैं। आतंकवाद का उद्देश्य है लोगों में भय फैलाकर तथा हिंसा के माध्यम से अपने मत को प्रचारित करना या अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रयत्न करना। आतंकवाद से आज पूरा विश्व त्रस्त है। एक मनुष्य दूसरे मनुष्य को इस प्रकार मारने पर आमादा हो चुका है कि क्या बूढ़े, क्या बच्चे, आज हर कोई आतंकवाद के चंगुल में फँसा हुआ है। फ्राँस के पेरिस शहर मुंबई में होटल ताज पर हमला या वर्ल्ड ट्रेड टावर को हवाई हमले में उड़ाने की घटना हो आतंकवाद आज वाकई एक भयावह समस्या बन गया है। आतंकवाद के कारण कई होते हैंः जैसे– सामाजिक परिवेश का मन पर असर, धार्मिक कट्टरपंथ आदि। आतंकवाद के कारण असंख्य बेगुनाह मारे जाते हैं और अनेक परिवार बेसहारा हो जाते हैं। मुंबई, गुजरात, दिल्ली तथा अन्य नगरों पर आतंकवादी हमलों ने भारतीय सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया हैं। सरकार बार–बार शांति की बात करती है जिसे आतंकवादी संगठनों ने उसकी कमजोरी समझ लिया है। अब समय आ गया है कि आतंकवादियों से बेगुनाहों को मरने से बचाया जाए और उनका सफाया किया जाए।

13. स्वयं को विद्यालय प्रबंधक मानते हुए विद्यालय में आयोजित 'खेल प्रतियोगिता' में मुख्य अतिथि के रूप में खेल मंत्री को आमंत्रित करते हुए एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
खेल मंत्री महोदय,
नई दिल्ली।
दिनांक : 05 जून, 2019

विषय– खेल प्रतियोगिता में खेल मंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण।

आदरणीय महोदय,

मैं श्रीकांत दास विद्यालय का प्रबन्धक अपने विद्यालय की ओर से आपको विद्यालय में आयोजित होने जा रही 'खेल प्रतियोगिता' में सादर आमंत्रित करता हूँ। कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है। कृपया निश्चित स्थान व समय पर पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाइए, हम सब आपके आभारी रहेंगे।

कार्यक्रम की तिथि– 12 जून, 2019 से 14 जून, 2019
समय– प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक

विशेष आकर्षण– प्रधानाचार्य का भाषण, संगीत व नृत्य, क्रिकेट मैच व कबड्डी मैच एवं पुरस्कार वितरण।

मुझे आशा है आप इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित होकर छात्रों को खेल तथा खेल से जुड़े स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जागरूक बनायेंगे व हम सबका मार्गदर्शन करेंगे।

धन्यवाद।
भवदीय
श्रीकांत दास
(विद्यालय प्रबंधक)

अथवा

अपने क्षेत्र में लाउडस्पीकरों का अनुचित प्रयोग रूकवाने के लिए पुलिस आयुक्त को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

45, आदर्श नगर,
नई दिल्ली।
पुलिस आयुक्त,
आदर्श नगर,
नई दिल्ली।
दिनांक : 11 अक्टूबर, 2019

विषय– लाउडस्पीकर के प्रयोग पर प्रतिबन्ध का अनुरोध।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आदर्श नगर का एक जागरूक नागरिक आपको अपने क्षेत्र में लाउडस्पीकरों के गैर–कानूनी ढंग से इस्तेमाल की जानकारी देना चाहता हूँ।

हम सब जानते हैं कि लाउडस्पीकर के प्रयोग के कुछ नियम हैं, किन्तु खुलेआम मन्दिरों में, उत्सवों के समय घरों में, बाजारों में ऊँची आवाज में, वक्त–बेवक्त लाउडस्पीकर चलाए जाते हैं। यह ध्वनि प्रदूषण का बड़ा कारण है व इससे हर उम्र के लोगों को परेशानी होती है, विशेष रूप से बच्चों को परीक्षा के दिनों में बहुत मुश्किल होती है। आपसे प्रार्थना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए, चेतावनी दी जाए तथा आवश्यकतानुसार दण्डित किया जाए।

आशा है आप इस विषय पर गम्भीरता से विचार करेंगे व उचित निर्णय लेंगे।

धन्यवाद।
भवदीय
कृष्ण शर्मा

14. गतिविधि अधिकारी की ओर से 40–50 शब्दों में सूचना लिखिए कि विद्यालय के सभा सदन में अन्तिम दो कालांशों में हिन्दी व अंग्रेजी की कविता प्रतियोगिता होगी। 5

उत्तर :

गोकुल धाम विद्यालय

सूचना

कविता प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक : 28 जून, 2019

आगामी सप्ताह दिनांक 7 जुलाई को विद्यालय के सभा सदन में हिन्दी व अंग्रेजी की कविता पाठ प्रतियोगिता होगी। अधिक जानकारी के लिए अपनी हिंदी अथवा अंग्रेजी की अध्यापिका से सम्पर्क करें व 3 जुलाई तक कविता के विषय के साथ अपना नामांकन करा लें।

धन्यवाद।

वी. के. गुप्ता

गतिविधि अधिकारी

अथवा

'आकांक्षा' सोसायटी के सचिव होने के नाते पानी की कटौती के लिए सूचना 40–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

आकांक्षा सोसायटी

सूचना

जल संकट की तैयारी

दिनांक : 05 अगस्त, 2019

हर बार की तरह गर्मी के मौसम में होने वाली जल आपूर्ति की कमी के कारण सभी 'आकांक्षा' वासियों से अनुरोध है कि पानी को व्यर्थ न जाने दें। न्यूनतम मात्रा में जल का उपयोग करें व मिल–जुलकर इस संकट से निपटने के लिए तैयार रहें।

धन्यवाद।

पी. के. अग्रवाल

सचिव, आकांक्षा सोसायटी

15. मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वाले एक दुकानदार व ग्राहक की बातचीत को संवाद के रूप में लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

ग्राहक– भाई साहब, मैं आपकी दुकान से पिछले सप्ताह कुछ दालें लेकर गया था। इस्तेमाल करने पर पता चला कि इनमें कंकड़ भी हैं और धोने पर इनमें से रंग भी निकलता है।

दुकानदार– जी, आप पहले ग्राहक हैं जो ऐसी शिकायत कर रहे हैं। आज से पहले तो कोई शिकायत नहीं आई।

ग्राहक– पहले शिकायत आई या नहीं, यह आप ही जानते होंगे, लेकिन मुझे आपके सामान की गिरती गुणवत्ता को देखकर बड़ी निराशा हुई। यदि ऐसा ही रहा तो हमें कोई और दुकान ढूँढ़नी पड़ेगी।

दुकानदार– अरे, आप नाराज क्यों हो रहे हैं? आप हमारे इतने पुराने ग्राहक हैं, आपकी संतुष्टि हमारे लिए बहुत मायने रखती है। विश्वास कीजिए आगे से आपको कोई शिकायत नहीं मिलेगी।

ग्राहक– देखिए, घटिया सामान लाकर अधिक दाम में बेचकर यदि आप सोचते हैं कि अधिक मुनाफा कमा लेंगे तो ऐसा नहीं होगा। ईमानदारी और अच्छे काम की ही कीमत मिलती है।

अथवा

बच्चे के जल्दी–जल्दी बीमार होने से परेशान माँ की डॉक्टर से बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

माँ– देखिए डॉक्टर साहब, अभी पिछले महीने ही रोहन को बुखार हुआ था, अब फिर दो दिन से बीमार है।

डॉक्टर– उस समय आपने दवा अधूरी तो नहीं छोड़ी थी?

माँ– बिल्कुल नहीं, पूरे पाँच दिन आपके निर्देशानुसार ही दवा दी थी।

डॉक्टर– दवा के साथ–साथ साफ–सफाई, पौष्टिक आहार, खेल–कूद, व्यायाम आदि का ध्यान भी रखना पड़ता है।

माँ– लेकिन, यह तो घर का खाना पसन्द ही नहीं करता, व्यायाम के तो नाम से ही चिढ़ता है। हाँ, खेल–कूद में तो कोई कमी नहीं है।

डॉक्टर– देखिए, इसके जल्दी–जल्दी बीमार होने का यही कारण है कि यह पौष्टिक आहार नहीं लेता। बाहर का खाना लगभग छः महीने के लिए बिल्कुल बन्द कर दीजिए। फल, हरी सब्जियाँ, दूध, दही आदि पौष्टिक व ताजा भोजन करेगा और थोड़ा व्यायाम करेगा तो शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी और यह स्वस्थ रहने लगेगा।

माँ– जी, मैं इन बातों का ख्याल रखूँगी।

16. 'सोलर कुकर' बनाने वाली एक कम्पनी के लिए विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सोलर कुकर अपनाइए
गैस व बिजली बचाइए

जी हाँ, सूरज की ऊर्जा से खाना तैयार करें।
कम समय मे भोजन हो तैयार
आओ मिलकर पर्यावरण की सुरक्षा का प्रयास करें।
न जलने का डर, न गैस का खर्च

जल्दी आइए!! सोलर कुकर के साथ अपनी पसन्द का बर्तन मुफ्त पाइए

सम्पर्क
इन्द्रा बाजार,
दुकान नम्बर 504
जयपुर, राजस्थान
दूरभाष- 0141-203310

अथवा

प्रार्थना कोचिंग सेन्टर के लिए 25–50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

प्रार्थना कोचिंग सेंटर
कक्षा छठी से दसवीं तक के लिए *उत्तम शिक्षा का प्रबन्ध* *आप हम पर विश्वास करके देखिए, विशेष प्रशिक्षित* *शिक्षकों से मिलिए, निर्णय सोच-समझकर लीजिए*
सम्पर्क करें **रामनिवास सर्किल,** **डी ब्लॉक-445,** **नई दिल्ली** **दूरभाष- 0141-242460**

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.